क्रिस बर्क - डाउन्स सिंड्रोम

एक महान अमेरिकी हीरो

जीवन बड़ी तेज़ी से आगे बढ़ता है

जब क्रिस बर्क पैदा हुआ था तो जिस डॉक्टर ने उसे देखा उसने सिफारिश की कि क्रिस के माता-पिता उसे जीवन भर के लिए किसी संस्था में भेज दें. क्रिस बर्क के भाई ने उसके अभिनेता बनने के सपने को भूलने को कहा. स्कूल खत्म करने के बाद, क्रिस को जो एकमात्र काम मिला वह एक लिफ्ट चालक का था. लेकिन क्रिस ने विकलांगता के बावजूद अपने सपने को कभी नहीं छोड़ा. अब न केवल क्रिस बर्क - डाउन सिंड्रोम वाला पहला टीवी अभिनेता बना है, वो एक सच्चा अमेरिकी नायक भी बन गया है.

जन्मजात विकलांगता

26 अगस्त 1965 उन्तीस वर्षीय मैरिएन बर्क ने अपने दूसरे बेटे - क्रिस को जन्म दिया. मारियन और उनके पति, फ्रैंक, जो न्यूयॉर्क शहर के पुलिस निरीक्षक थे, के पास खुश होने का हर कारण था. उनके पहले तीन बच्चे, एलेन, ऐनी, और जेआर स्वस्थ बच्चे थे. उन बच्चों ने बचपन में बाल-कलाकार और मॉडल के रूप में भी काम किया था.

लेकिन क्रिस के जन्म के कुछ घंटों बाद जब डॉक्टर मैरिएन के कमरे में गए तब उन के चेहरे पर एक उदासी छाई थी.

"आपका बेटा मंगोल है," डॉक्टर ने कहा. इसका मतलब है कि क्रिस मंदबुद्धि होगा. वह शायद कभी पढ़ भी नहीं पाए, और वह खुद खाना खाने में भी सक्षम न हो. "आपको तुरंत उसे किसी मंद-बुद्धि बच्चों वाली संस्था में भेज देना चाहिए," डॉक्टर ने कहा. "इससे पहले कि आपको उससे बहुत अधिक लगाव हो जाएं." मैरिएन और फ्रैंक ने अपने डॉक्टर की बात नहीं मानी.

क्रिस अपने माँ मैरिएन और पिता फ्रैंक के साथ.

उन्होंने क्रिस को घर लाने और उसकी देखभाल करने का फैसला किया.

मैरिएन ने कहा, "हम उसे किसी संस्था में भर्ती कराना नहीं चाहते थे. जिस क्षण से हमने क्रिस को देखा, हम उसे अपने पास रखना चाहते थे."

लेकिन धीरे-धीरे विकलांगता बढ़ती गई और साफ़ दिखना शुरू हुई. (क्रिस की विकलांगता को "डाउन सिंड्रोम" कहा जाता है. इसका नाम ब्रिटिश चिकित्सक जॉन लैंगडन डाउन के नाम पर रखा गया है और यह विकलांगता अमरीका में पैदा होने वाले प्रत्येक 1,000 बच्चों में से एक को प्रभावित करती है).

क्रिस अठारह महीने के बाद ही पहली बार बोला. जब उसने बोलना शुरू किया, तो उसकी बोली बहुत धीमी थी और समझने में कठिन थी. और दो साल पूरे करने के बाद ही क्रिस ने पहली बार चलना शुरू किया.

विकलांगता से जूझना

बर्क परिवार ने क्रिस के लिए वो सब किया जो उनके लिए करना संभव था. उसकी बहनें, ऐनी और एलेन ने, युवा क्रिस के साथ दर्पण के सामने बैठकर ऐसा खेल खेला जिससे क्रिस को शब्द सीखने में मदद मिली. उन्होंने एक शब्द "आँखें" कहा फिर वे क्रिस के हाथों को उसकी आँखों पर ले गईं. उन्होंने यह उसके नाक कान और मुंह से साथ भी किया. जब क्रिस ने सही उत्तर दिया, तो बहनों ने ताली बजाकर ख़ुशी दिखाई. बहनें जितना अधिक खुश हुईं क्रिस उतना ही बेहतर सीखा.

जेआर ने भी अपना रोल निभाया. उसने क्रिस को तैरना सिखाया और बहुत धैर्य रखते हुए गेंद को कैच पकड़ना सिखाया. जेआर जब बास्केटबॉल खेलने जाता तो वो क्रिस को अपने साथ लेकर जाता. उसने क्रिस को खुद बास्केटबॉल शूट करने को प्रोत्साहित किया. खेल की इन गतिविधियों ने, क्रिस के समन्वय (को-आर्डिनेशन) को विकसित किया.

जेआर ने कहा, "छह महीने तक हमारे माता-पिता ने हमें यह नहीं बताया कि क्रिस मंदबुद्धि था. पर क्योंकि क्रिस का रवैया इतना अच्छा था इसलिए उसके सामने दुखी होना असंभव था.“

जब क्रिस चार साल का हुआ तो उसके माता-पिता ने उसे न्यूयॉर्क के कैनेडी चाइल्ड स्टडी सेंटर में भर्ती कराया. वहां उसने अपने पढ़ने और वर्तनी की कुशलता को सुधारा.

एक सुबह जब सब घर पर थे तब क्रिस (Chris) माँ के पास चीयरियोस (Cheerios) का एक डिब्बा लेकर गया और उसने कहा, "देखो, मेरा नाम यहाँ है." फिर उसने C - H - R - I - S के अक्षरों को उस डिब्बे पर दिखाया. जब वह पांच साल का हुआ तब क्रिस अपना नाम लिख सकता था.

एक लड़के का सपना

जब क्रिस आठ साल का था, तब उसे एक दिन पुरानी तस्वीरों का एक बक्सा मिला, जिसमें उसके भाई-बहनों ने बाल मॉडल और एक्टर के रोल निभाने के फोटोग्राफ थे. उन तस्वीरों ने क्रिस को चकित कर दिया.

"मैं भी वही करना चाहता हूँ!" उसने अपने परिवार से कहा. "मैं भी टीवी पर दिखना चाहता हूँ!“

मैरिएन को क्रिस से कुछ कहते नहीं बना. तुम ऐसा नहीं कर सकते हो, माँ ने क्रिस से ऐसा कभी नहीं कहा. पर माँ उसे कुछ ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहती थीं, जिसमें वो फेल हो. अंत में, उन्होंने उत्तर दिया, "मुझे पता नहीं बेटा कि टीवी में तुम्हें कोई रोल मिलेगा या नहीं?“

क्रिस बस मुस्कुराया और उसने कहा, "क्या पता, शायद कोई रोल हो."

अभिनय करियर की तैयारी के लिए क्रिस ने घर पर और स्कूल में अपने पसंदीदा गाने गाते हुए काफी समय बिताया. उसने नाचने का अभ्यास भी किया. क्रिस का अभिनेता बनने का संकल्प धीरे-धीरे रंग लाने लगा. उसे स्कूल के क्रिसमस-शो में एक चरवाहे की भूमिका मिली. उसे सिर्फ एक लाइन बोलनी थी तो उसने बिना किसी गलती के बोली. इससे अभिनेता बनने का क्रिस का इरादा और पक्का हो गया था.

इक्कीस वर्ष की उम्र में क्रिस ने अपनी विशेष स्कूली शिक्षा पूरी की. अब उसके लिए एक नियमित नौकरी खोजने का समय था. लेकिन प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चय के बावजूद क्रिस को बहुत निराशा ही झेलनी पड़ी. ऐसा लगता था, कि कोई भी मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति को नौकरी पर नहीं रखना चाहता था.

फिर क्रिस ने एक वर्कशॉप में काम किया. वहां वो छोटी-छोटी चीज़ों को डिब्बों में डालकर उन्हें सीलबंद करता था.

जब वो बहुत छोटा था तभी क्रिस ने एक्टर बनने का निश्चय किया था.

पर यह काम बहुत उबाऊ था. क्रिस ने दो सप्ताह के बाद ही उसे छोड़ दिया.

बहनों ने क्रिस की न्यूयॉर्क के पब्लिक स्कूल क्रमांक 138 में में नौकरी लगवाई. यह स्कूल गंभीर रूप से विकलांग बच्चों के लिए था.

वहां क्रिस ने एक लिफ्ट ऑपरेटर के रूप में काम किया. हालाँकि वो स्कूल में काम करके खुश था लेकिन क्रिस अभी भी हॉलीवुड जाकर अभिनेता बनना चाहता था. उसने अपनी पब्लिसिटी-फोटोज के लिए $ 300 बचाए और रात में अभिनय की ट्रेनिंग ली.

लेकिन जेआर नहीं चाहता था कि उसका भाई कोई एक ऐसा सपना देखे जो कभी साकार न हो. "क्रिस," जेआर ने एक दिन कहा, "तुम हॉलीवुड के अपने सपने को भूल जाओ, वो कभी संभव नहीं होगा."

पर क्रिस ने हार नहीं मानी. उसे कहीं तो उसकी सम्भावना लगी थी. क्योंकि उससे पहले डाउन-सिंड्रोम वाला एक आदमी अभिनेता बन चुका था.

जब क्रिस उन्नीस साल का था, उसने टीवी शो "द फॉल गाय" के एक एपिसोड को देखा. उसमें डाउन-सिंड्रोम वाले जेसन किंग्सले ने एक दस वर्षीय बालक का रोल निभाया था. फिर क्रिस ने जेसन को पत्र लिखा. जेसन की मां एमिली पर्ल किंग्सले ने क्रिस को एक उत्साहजनक जवाब दिया. अंत में बुर्क और किंग्सले परिवार आपस में मिले.

जब परिवार ने क्रिस को एक्टिंग करने के लिए निरुत्साहित किया, तब भी क्रिस ने एक्टर बनने का अपना सपना नहीं छोड़ा.

क्रिस की बड़ी सफलता

कुछ साल बाद टीवी निर्माता माइकल ब्रेवरमैन ने श्रीमती किंग्सले से एक टीवी फिल्म के लिए डाउन-सिंड्रोम वाले किसी अभिनेता का नाम पूछा. फिल्म "डेस्पेरेट" (हताश) एक नई टेलीविजन श्रृंखला की पहली फिल्म थी. तब श्रीमती किंग्सले को प्रतिभाशाली क्रिस की याद आई और उन्होंने ब्रेवरमैन को क्रिस का नाम सुझाया.

कुछ दिनों बाद हॉलीवुड से बुर्क परिवार को फोन आया. मैरिएन ने फोन का जवाब दिया.

"क्या क्रिस की ऑडिशन में दिलचस्पी होगी?" फिल्म के एग्जीक्यूटिव ने पूछा.

"मुझे उससे पूछने दो," मैरिएन ने उत्तर दिया. फिर उन्होंने क्रिस की तरफ देखा. "क्रिस्टोफर," उन्होंने कहा, "एक महिला जानना चाहती है कि क्या तुम टेलीविजन के लिए एक फिल्म में भाग लेना चाहोगे?"

क्रिस स्तब्ध रह गया. "हाँ हाँ हाँ!" वह तेज़ी से बोला. "मैं एक फिल्म में आने वाला हूं. हा! एक फिल्म!“

फिल्म स्टूडियो ने क्रिस और उसके पिता को, लॉस एंजिल्स में ब्रेवरमैन के साथ ऑडिशन के लिए बुलाया. वहां पहुँचने के बाद फ्रैंक बर्क ने अपने बेटे से ब्रेवरमैन का खुद सामना करने को कहा. वो ब्रेवरमैन को दिखाना चाहते थे कि क्रिस खुद में कितना सक्षम था.

ऑडिशन खत्म होने के बाद ब्रेवरमैन ने क्रिस से कहा, "तुम्हें एक्टिंग का रोल मिल गया है." यह सुनकर क्रिस खुशी से उछल पड़ा.

फिल्म की शूटिंग वेस्ट फ्लोरिडा में हुई. क्रिस, फिल्म के स्टार - जॉन सैवेज के साथ लगातार स्पॉटलाइट में रहा. क्रिस के लिए यह एक सपना सच होने जैसा था. फिल्म सितंबर 1987 में एबीसी पर प्रसारित हुई. लेकिन नेटवर्क ने, टीवी श्रृंखला बनाने का अपना फैसला रद्द कर दिया.

क्रिस पब्लिक स्कूल क्रमांक 138 में अपनी नौकरी पर वापस आया. वो निराश ज़रूर था, पर टूटा नहीं था. उसे पता था कि वह एक दिन हॉलीवुड ज़रूर लौटेगा.

एक टीवी शो में रोल निभाने के बाद क्रिस वापिस घर लौटा और उसने अपनी अगली फिल्म का इंतज़ार किया.

"लाइफ गोज ऑन"
(ज़िंदगी चलती रहती है)

जब क्रिस न्यूयॉर्क में काम कर रहा था तब ब्रेवरमैन हॉलीवुड में काम कर रहे थे. ब्रेवरमैन, एबीसी को एक नई श्रृंखला बेचने की कोशिश कर रहे थे. एबीसी के अधिकारी, क्रिस के प्रदर्शन को नहीं भूले थे.

"वो बहुत आकर्षक है," ब्रेवरमैन से एक फिल्म अधिकारी ने कहा. "वह स्क्रीन पर साफ़ छिटकता है. क्या आप सिर्फ उसके ऊपर एक श्रृंखला बना सकते हैं?“

फिर ब्रेवरमैन काम पर वापस लौटे, और उन्होंने क्रिस पर आधारित एक नई श्रृंखला बनाना शुरू की. फिल्म एक ऐसे परिवार के बारे में थी जहाँ बड़ा बेटा डाउन-सिंड्रोम का शिकार था. उस शो का नाम था - "लाइफ गोस ऑन" (ज़िंदगी चलती रहती है).

"लाइफ गोज ऑन," फिल्म को, क्रिस बुर्क की प्रतिभा शो-केस करने के लिए बनाया गया था.

ब्रेवरमैन ने कहा: "हम यह दिखाना चाहते थे कि एक विकलांग व्यक्ति भी कितना सक्षम होता है."

इस श्रृंखला को पूरा करने में ब्रेवरमैन को आठ महीने से अधिक का समय लगा. अंत में, ब्रेवरमैन ने पहले शो की शूटिंग के लिए क्रिस को हॉलीवुड बुलाया.

हालांकि वे इस शो को लेकर उत्साहित थे, लेकिन ब्रेवरमैन और एबीसी के अधिकारियों को चिंता भी थी. फिल्म में क्रिस को कई पंक्तियाँ याद करनी होंगी - प्रति सप्ताह स्क्रिप्ट के चालीस पन्ने, और उसे एक दिन में पंद्रह घंटे काम करना होगा. क्या क्रिस वास्तव में यह कर पायेगा?

पांचवीं कक्षा के स्तर पर पढ़ने वाले क्रिस ने पहले ही शो में उन शंकाओं का उत्तर दे दिया. उसके चरित्र कॉर्की पर परीक्षा में एडगर एलन पो की कविता "द रेवेन" के पहले श्लोक की नकल करने का आरोप था. यह साबित करने के लिए कि वह श्लोक जानता था, कॉर्की को उस कविता के पहले श्लोक को सुनाना था.

ब्रेवरमैन चाहते थे कि क्रिस क्यू-कार्ड की मदद से से कविता को पढ़ें. लेकिन क्रिस ने कविता को याद करने का फैसला किया. वह सभी को यह दिखाना चाहता था कि वह यह कठिन काम संभाल सकता था.

क्रिस बुर्क फिल्म के अन्य पात्रों के साथ

शूटिंग के समय क्रिस ने अपनी पंक्तियों को अच्छी तरह से सुनाया. फिर सभी कलाकारों और चालक दल ने जोर से तालियां बजाईं. क्रिस ने खुद को साबित कर दिया था, और फिर एबीसी ने अपने रविवार रात के कार्यक्रम की श्रृंखला को मंजूरी दे दी.

"लाइफ गोज़ ऑन" पहली बार 12 सितंबर 1989 को प्रदर्शित हुई (इस शो में पेटी लुपोन और बिल स्मिट्रोविच भी थे. बुर्क की टीवी मॉम और डैड और केली मार्टिन, उसकी टीवी बहन). टीवी आलोचकों को शो बहुत पसंद आया. अमेरिका के लोगों ने भी उसे बहुत सराहा.

हर जगह विकलांग लोगों को क्रिस बर्क में एक नया नायक मिला.

"'लाइफ गोस ऑन' फिल्म को तो मेरे अपने परिवार पर आधार करके बनाई जा सकती थी," मैरिएन बर्क ने कहा. "थैचर परिवार ने सालों-साल जिन समस्याओं का सामना किया, उन्हीं समस्याओं को वर्षों तक हमने भी झेला. मेरी राय में शो का यह आधार - कि प्यार, समझ, धैर्य और हास्य से कोई परिवार किसी डाउन-सिंड्रोम बच्चे की मदद कर सकता है एकदम सही है. “

"यह शो एक चमत्कार है," एमिली पर्ल किंग्सले ने कहा. "हम इस तरह के यथार्थवादी फिल्म प्रोडक्शन के लिए कब से भूखे थे. मुझे आशा है कि यह फिल्म विकलांगों के स्टीरियोटाइप को उखाड़ फेंकेगी. यह महत्वपूर्ण है कि क्रिस खुद जो चाहे वो कर सके - आकर्षक, सेक्सी, एक वास्तविक व्यक्ति, न सिर्फ लेबल वाला."

हालांकि क्रिस सफल हुआ फिर भी यह काम काफी कठिन था. क्रिस, वार्नर ब्रदर्स स्टूडियो के पास अपने पिता के साथ दो बेडरूम के अपार्टमेंट में रहता था. फ्रैंक हर सुबह क्रिस के साथ सेट पर जाता था, और रात में लाइनों को याद करने में उसकी मदद करता था.

क्रिस के अधिकांश दृश्यों को एक-एक पंक्ति करके शूट किया जाता था. और ध्यान से लाइनों को छोटा रखा जाता था. अच्छे उच्चारण और स्मरण शक्ति के लिए उसके पास एक विशेष कोच था. चूंकि क्रिस आसानी से थक जाता था, इसलिए महत्वपूर्ण काम सुबह के समय ही किया जाता था.

"किसी पंक्ति को भूलने के बाद क्रिस खुद से परेशान हो जाता था," फ्रैंक ने कहा. "वह दूसरों का समय बर्बाद नहीं करना चाहता था. पर अब वो दुबारा कोशिश करने को तैयार रहता है."

क्रिस बुर्क अन्य एक्टर्स के साथ.

"केवल एक चीज क्रिस को परेशान करती थी," बिल स्मिट्रोविच, क्रिस के सह-कलाकार को कहा, "वो थी तीखी आलोचना. इसलिए हम सभी क्रिस के साथ वैसा कभी नहीं करते थे, एक-दूसरे के साथ भी नहीं."

"मैं एक प्रोफेशनल बनना चाहता हूं," क्रिस ने कहा. "मैं अपने टीवी पिता की तरह बनना चाहता हूं. वह एक अच्छे, शांत अभिनेता हैं."

ब्रेवरमैन के पास अपने स्टार अभिनेता के लिए प्रशंसा के अलावा कुछ नहीं है. "क्रिस के पास आकर्षण और बुद्धि दोनों है और ये सभी महान विशेषताएं उसे कई अन्य लोगों से अलग करती हैं, जिनमें कई ... अभिनेता भी शामिल हैं. वह बहुत अच्छा काम करता है. वह अपनी लाइन्स को याद करता है और सही एक्टिंग करता है."
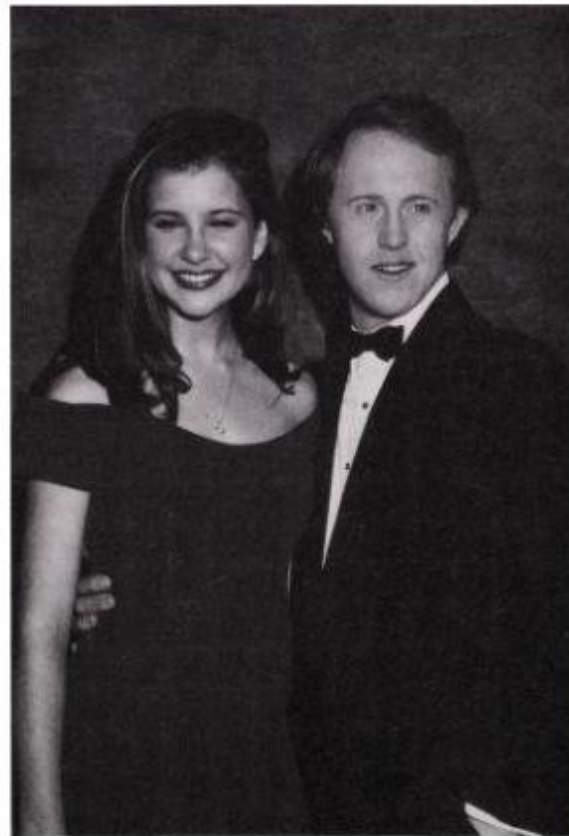
क्रिस बुर्क, अभिनेत्री केली मार्टिन के साथ

सच्चे अमेरिकी हीरो

अब जबकि वह एक स्टार है, क्रिस बर्क अन्य विकलांगों की मदद करने के लिए अपनी प्रसिद्धि का उपयोग करता है. व्हाइट हाउस, क्रिस को राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के साथ सार्वजनिक सेवाओं की घोषणा करने के लिए आमंत्रित करता है. इस घोषणा में अमेरिका में विकलांगों की अनदेखी क्षमताओं के बारे में बताया जाता है. क्रिस, विकलांगों को सम्मानित करने वाले कई अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होता है. यहां तक कि वो डाउन-सिंड्रोम को भी बुरा मानने से इनकार करता है.

क्रिस, व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के साथ.

"मुझे हल्का सा डाउन-सिंड्रोम है," उसने कहा. "मैं इसे डाउन-सिंड्रोम की बजाए अप-सिंड्रोम कहता हूं."

"क्रिस के बारे में मुझे सबसे ज्यादा जो प्रभावित करता है यह वो नहीं है जो उसने हासिल किया , बल्कि जीवन के बारे में उसकी ऊंचाई," मैरिएन बर्क ने कहा. "वह लगभग हर स्थिति में मुस्कुराने या अच्छा महसूस करने में सक्षम है."

वह जानता है कि वह 'अलग है', लेकिन उसने कभी भी इसके बारे में कोई कड़वाहट नहीं जताई है. वास्तव में, उसकी एक अच्छी आत्म-छवि है."
हाल ही में क्रिस, नेशनल डाउन-सिंड्रोम कांग्रेस और रोनाल्ड मैकडॉनल्ड मैकजॉब्स कार्यक्रम का प्रवक्ता बना है.

"मैं हमेशा से अभिनेता बनना चाहता था," उसने कहा.
"मैं हमेशा विकलांगों की मदद करना चाहता था. अब मैं दोनों काम कर रहा हूं."

अपने प्रयासों के माध्यम से क्रिस ने देश भर के विकलांग लोगों के जीवन को बदल दिया है.

अपने प्रयासों से क्रिस ने पूरे अमरीका में विकलांगों के जीवन को बदला है.

अपने प्रयासों से क्रिस ने पूरे अमरीका में
विकलांगों के जीवन को बदला है.

क्रिस के अच्छे कार्य का सबूत उन्हें रोज़ प्राप्त होने वाले पत्रों के पहाड़ में दिखाई देते हैं.

आयोवा में एक प्रशंसक से क्रिस को पसंदीदा पत्र मिला. वो पढ़ता है:

प्रिय क्रिस,
मैं 17 साल का हूं और आपकी तरह मुझे भी डाउन-सिंड्रोम है. आप मेरे हीरो हैं. आपने मेरी दुनिया बदल दी है.

क्रिस बर्क एक अद्भुत अभिनेता से अधिक है.
वह एक सच्चे अमेरिकी नायक बन गए हैं.

आप निम्नलिखित पते पर क्रिस बर्क
को पत्र लिख सकते हैं

क्रिस बर्क
"लाइफ गोज ऑन"
वार्नर ब्रदर्स टीवी
4000 वार्नर बुलेवार्ड
बुरबैंक, CA 91505
अमरीका